श्री राजेश अग्रवाल ने रेलवे बोर्ड में नये सदस्य का पदभार संभाला

श्री राजेश अग्रवाल ने रेलवे बोर्ड में नये सदस्य (रोलिंग स्टॉक) और भारत सरकार के पदेन सचिव का पदभार 28 सितम्बर, 2018 से संभाल लिया है। श्री राजेश अग्रवाल भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के 1980 बैच के हैं। इस नियुक्ति से पहले वह रायबरेली स्थित मॉडर्न कोच फैक्ट्री में महाप्रबंधक थे। श्री अग्रवाल को बदलाव प्रबंधन, परिचालन, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, इंजीनियरिंग एवं लोक प्रशासन का व्यापक अनुभव है। उन्होंने विश्व-धरोहर, पर्यावरण, पर्यटन, संस्कृति, संग्रहालय, संरक्षण, सतत विकास, हितधारक-फ्रेमवर्क एवं समुदाय से जुड़े कार्यों में यूनेस्को/आईकोमॉस के विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। श्री अग्रवाल की शैक्षणिक योग्यताओं में इंजीनियरिंग की तीन विधाओं यथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग,इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, धातुकर्म इंजीनियरिंग की डिग्रियां शामिल हैं।

अपने लंबे उल्लेखनीय करियर के दौरान श्री राजेश अग्रवाल ने भारतीय रेलवे में अनेक महत्वपूर्ण कार्यकारी एवं प्रबंधकीय पदों पर काम किया था। श्री अग्रवाल ने आठ क्षेत्रीय रेलवे यथा पूर्वी रेलवे, उत्तरी फ्रंटियर, उत्तर-पश्चिमी, दक्षिण-पूर्वी, दक्षिण पूर्व मध्य, दक्षिणी, पश्चिमी और पश्चिम-मध्य रेलवे में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने रेलवे बोर्ड, मॉडर्न कोच फैक्ट्री और क्रिस में भी अपनी सुविधाएं दी हैं। श्री अग्रवाल निदेशक, राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, विभागीय रेलवे प्रबंधक, दक्षिणी रेलवे, उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, उत्तरी फ्रंटियर रेलवे, मुख्य यांत्रिक अभियंता, पश्चिमी-मध्य रेलवे इत्यादि के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

श्री अग्रवाल अखिल भारतीय रेलवे विश्व धरोहर स्थल अभिलेखों यथा दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, नीलगिरी माउंटेन रेलवे, कालका शिमला रेलवे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के लेखक हैं। श्री अग्रवाल देश-विदेश में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़े रहे हैं। उन्हें अनेक पुरस्कारों जैसे कि आईई (भारत) '81, में नायर'85, जीएम'95 में गोल्ड मेडल, हिन्दी-बोर्ड के अवार्ड'88, यूनेस्को बेस्ट प्रोजेक्ट'07बार्कर रॉबिन्स प्राइज इत्यादि से सम्मानित किया गया है।

श्री थावरचंद गहलोत ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वॉकथान को झंडी दिखाकर रवाना किया

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद गहलोत ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में एक वॉकथान को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वॉकथान की शुरूआत अक्षरधाम मंदिर के पास खेल गांव स्टेडियम से हुई। इसका आयोजन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान द्वारा अनुग्रह संगठन के सहयोग से किया गया था।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सचिव श्रीमती नीलम सहानी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री गहलोत ने अपने संबोधन में कहा कि उनका मंत्रालय वरिष्ठ नागरिकों और वृद्धजनों के संपूर्ण कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम और योजनाएं शुरू की है। वृद्धजनों के लिए किए उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ नागरिकों और संस्थाओं को मंत्रालय द्वारा हर साल 'वयोश्रेष्ठ सम्मान' दिया जाता है। यह पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान किया जाता है।

मंत्रालय ने 2017 में 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' की शुरूआत की थी। इसके तहत गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों को व्हील चेयर, कान की मशीन, चश्मे, छड़ी आदि जैसे सहायक उपकरण वितरित किए जाते है। इस योजना से अब तक 55000 हजार वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए है।

श्री गुर्जर ने कहा कि मंत्रालय वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए बहुत कुछ कर रहा है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक देश की बहुमूल्य निधि है। वरिष्ठ जनों को हमेशा प्रसन्न और स्वस्थ रहना चाहिए। इसके लिए उन्हें नियमित सुबह की सैर करनी चाहिए।

वॉकथान में दिल्ली के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में आए वरिष्ठ नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पुलिस बैंड के साथ ही वरिष्ठ जनों ने कई सांस्कृतिक और संगीतमय कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

संघ लोक सेवा आयोग ने उम्मीदवारों द्वारा आवेदनों को वापस लेने की सुविधा की अनुमति दी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने उम्मीदवारों द्वारा अपने आवेदनों को वापस लेने की सुविधा को मंजूरी दे दी है। यह सुविधा इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा, 2019 से लागू की जाएगी। यह घोषणा आज नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद सक्सेना ने आयोग के 52वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर की।

आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा के संबंध में आयोग का अनुभव रहा है कि प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले 10 लाख से अधिक उम्मीदवारों में से लगभग 50 प्रतिशत उम्मीदवार परीक्षा में बैठते हैं। इसके लिए आयोग को परीक्षा स्थान की बुकिंग करानी पड़ती है, प्रश्नपत्र प्रकाशित कराने होते हैं, परीक्षा निरीक्षकों का प्रबंध करना पड़ता है और सभी 10 लाख आवेदकों के लिए दस्तावेज भेजने पड़ते हैं। इसमें 50 प्रतिशत ऊर्जा और संसाधनों की बर्बादी होती है। यूपीएससी के अध्यक्ष ने कहा कि आयोग यह मानता है कि यदि हम सही और गंभीर उम्मीदवारों के लिए काम करें तो हम उन्हें बेहतर सुविधाएं दे सकते हैं और अपनी प्रणाली को अधिक कारगर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा, 2019 से यह व्यवस्था प्रारंभ की जाएगी तथा अन्य परीक्षाओं को इस व्यवस्था के अंतर्गत लाया जाएगा।

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्पलेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6. मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, एच-47, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया।
फोन-26568477, 26409779.
E : alpaviram1@yahoo.com

गांधीजी की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर अहमदाबाद के गांधी आश्रम में आयोजित हुई भजन संध्या

राज्यपाल श्री ओपी कोहली ने आज कहा कि गांधीजी के भजनों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में गांधीजी की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित भजनावली कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गांधीजी ने भजनों के द्वारा भारत की सांस्कृतिक विरासत बनाने के साथ ही देश की एकता को सुदृढ़ किया था।

भजन द्वारा गांधीजी की दिनचर्या की शुरुआत होती थी और दिन का अंत भी भजन से ही होता था। गांधीजी मानते थे कि भजन ईश्वर के साथ जुड़ने का माध्यम है। भजन नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के साथ ही त्याग और समर्पण की भावना भी जगाता है।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के पूंजीवादी विश्व की समस्याओं से गांधी विचार ही मुक्ति दिलवा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मा के शुद्धिकरण के लिए गांधी एक विचार है, गांधी एक संस्था है और आज की पीढ़ी इससे प्रेरणा ले, यह आवश्यक है। गांधीजी ने हमेशा मानवीय गुणों को महत्व दिया और उसी मार्ग पर अग्रसर होना आज के समय की नितांत आवश्यकता है।

समग्र देश में गांधीजी की 150वीं जन्म जयंती मनायी जा रही है, उसी के उपलक्ष्य में गुजरात में भी कार्यक्रम शुरु हुए हैं। गुजरात के प्रत्येक गांवों में प्रभात फेरी, सफाई और प्रार्थना से शुरुआत हुई थी जबकि महानगरों में भजनावली से गांधीजी को अंजलि अर्पण की गई है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता और फिर स्वराज से सुराज्य की संकल्पना गांधीजी ने की थी। राज्य सरकार सबका साथ सबका विकास मंत्र से इसे साकार कर रही है।

सर्वधर्म समभाव, अस्पृश्यता निवारण, सादगी, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह जैसे मूल्यों द्वारा गांधीजी ने देश की एकता को मजबूत बनाने के प्रयास किए थे।

गांधीजी एक व्यक्ति नहीं बल्कि विचार है। भारत विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में पूंजीवाद, समाजवाद से समाज कल्याण होने वाला नहीं है। गांधीवाद और गांधी विचारधारा ही आज की तमाम समस्याओं का हल है।

देश की आजादी और देश के कल्याण के विचार जिस पवित्र भूमि पर जन्में ऐसी पवित्र भूमि गुजरात से गांधीजी के 150वीं जन्म जयंती कार्यक्रमों की शुरुआत हो रही है ऐसे में गांधीजी के विचारों को आत्मसात करना आवश्यक है।

गांधीजी ने भजनों द्वारा बाह्य शुद्धता के साथ ही आंतरिक मन की शुद्धता के लिए महत्वपूर्ण साधन माना था। गांधीजी के समय में गाये गए भजनों की प्रस्तुति ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्री रूपाणी ने डाय फॉर दि नेशन-लिव फॉर दि नेशन का मंत्र चरितार्थ करने के लिए गांधीजी के जीवन- कवन और विचारों से प्रेरणा लेकर जीवन में उनके अमल को ही सार्थक करने की अपील की।

साबरमती आश्रम सुरक्षा स्मारक ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती ईलाबेन भट्ट ने कहा कि गांधीजी के समय से आश्रम में गीत गाये जाते थे। गांधीजी ने ही इन भजनों के राग आदि तय किए थे, उसी के मुताबिक आज भी यह जारी है।

इस अवसर पर अनुराधा पौडवाल, श्यामल-सौमिल, आरती मुंशी और विकास परीख ने भजन प्रस्तुत किए। जानेमाने कवि श्री तुषार शुक्ल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस भजनावली कार्यक्रम के अवसर पर सांसद डॉ. श्री किरीटभाई सोलंकी, मेयर श्रीमती बिजलबेन पटेल, श्री राकेशभाई शाह, आश्रम ट्रस्ट के श्री कार्तिकेय साराभाई, जयेशभाई पटेल, मनपा आयुक्त श्री विजय नेहरा, कलक्टर श्री विक्रांत पांडे, वरिष्ठ सचिव, गांधीवादी संस्था के अग्रणी, विद्यार्थी और अहमदाबाद के नागरिक भारी संख्या में उपस्थित थे।

कोहली अब नए अंदाज में वापसी करेंगे : रवि शास्त्री

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम चीफ कोच रवि शास्त्री ने खुलासा किया है कि नियमित कप्तान विराट कोहली को एशिया कप से क्यों आराम दिया गया था। विराट की जगह एशिया कप में रोहित शर्मा ने टीम इंडिया की कमान संभाली थी और बांग्लादेश को फाइनल में ३ विकेट से हराकर ७वीं बार खिताब अपने नाम किया। रवि शास्त्री ने एक इंटरव्यू में कहा, विराट को इस आराम की जरूरत थी। वह ताकत में बैल के बराबर है, आप उन्हें मैदान से बाहर नहीं भेज सकते है। विराट यदि खेलते हैं तो मैच रोमांच अलग ही होता है। इसलिए यह केवल मानसिक रूप से थकने का मामला है। कोच शास्त्री ने कहा, आप विराट को आराम दें। क्रिकेट से उनके ध्यान को हटाएं और फिर वह नए अंदाज में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ भी यही प्रक्रिया अपनाई जाती है। उन्होंने कहा, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार के साथ भी हम ऐसे ही करते हैं और उन्हें तरोताजा करने के लिए आराम दिया जाता है। विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टीम इंडिया की कमान संभाली थी और उनकी कप्तानी में भारत को १-४ से टेस्ट सीरीज में शिकस्त झेलनी पड़ी। वेस्ट इंडीज के खिलाफ भारत ४ अक्टूबर से २ मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा। विराट की कप्तानी में टेस्ट सीरीज के लिए १५ सदस्यीय भारतीय टीम का चयन किया गया है। रोहित शर्मा, शिखर धवन, भुवनेश्वर और बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया है जबकि युवा पृथ्वी शॉ और मयंक अग्रवाल को टीम में जगह मिली है।

रवि वेंकटेशन को यूनिसेफका विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया

यूनिसेफने रवि वेंकटेशन को युवाओं के लिए अपना विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

एक वक्तव्य जारी करते हुए, यूएन निकाय ने कहा कि श्री वेंकटेशन अपनी नई भूमिका में उच्च-स्तरीय पहुंच, साझेदारियों एवं स्केलिंग इनोवेशंस के साथ वैश्विक रूप से यूनिसेफ को रणनीतिक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करेंगे।

वक्तव्य में कहा गया है, ''रवि वेंकटेशन को युवाओं के लिए यूनिसेफ का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है।''

वेंकटेशन, जेनरेशन अनलिमिटेड की संपूर्ण रणनीति एवं एप्रोच को आकार देने में भी मदद करेंगे और वे निजी क्षेत्र को जोड़ने एवं स्थानीय चैंपियंस की पहचान करने पर भी विशेष रूप से जोर देंगे। वक्तव्य में बताया गया है, ''वो यूनिसेफ के इनोवेशन एजेंडा पर इसे अपनी सलाह भी देंगे और वैश्विक निगमों के साथ साझा मूल्य साझेदारियां तैयार करने में यूनिसेफकी मदद करेंगे।''

वेंकटेशन वर्ष 2015-18 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व चेयरमैन रहे और उससे पहले, माइक्रोसाफ्ट इंडिया के चेयरमैन के रूप में, उन्होंने भारत को माइक्रोसॉफ्ट की दूसरी सर्वाधिक मौजूदगी वाला देश बनाने में सहायता की।

उन्होंने क्यूमिन्स इंडिया के चेयरमैन और इंफोसिस लिमिटेड के सह-चेयरमैन के रूप में भी काम किया है। (1)

SET च्या पोरस मालिकेत चाणक्यच्या भूमिकेसाठी तरुण खन्नाचे शक्य ते सर्व प्रयत्न

सोनी एन्टरटेन्मेंट टेलिव्हिजनवरील भव्य दिव्य अशा पोरस मालिकेत चाणक्यची भूमिका चेतन पंडितऐवजी अष्टपैलू आणि देखणा अभिनेता तरुण खन्ना करणार असून या व्यक्तिरेखेला न्याय देण्यासाठी तो सर्वतोपरी प्रयत्न करत आहे. या भूमिकेत अस्सल दिसण्यासाठी लवकरच तो टक्कल करणार आहे तसेच जिममध्ये जाणे सोडून देणार आहे. सेटवर चाणक्यनीती वाचून तो या भूमिकेची जोरात तयारी करत आहे. अचूकतेचा ध्यास असलेल्या तरुणला या व्यक्तिरेखेची नस पकडून त्याची उत्कृष्ट अभिव्यक्ती करण्याची इच्छा आहे. सेटवर मिळणार्‍या रिकाम्या वेळेत तो त्या काळातील गोष्टी वाचत असतो. तरुणला विचारले असता तो म्हणाला, चाणक्यच्या भूमिकेमुळे माझी ट्रायोलॉजी पूर्ण होते. ही आत्तापर्यंतची माझी सर्वात जास्त आव्हानात्मक भूमिका आहे. महात्मा गांधींप्रमाणेच चाणक्य ही भारतीय इतिहासातील एक अत्यंत प्रसिद्ध व्यक्तिरेखा आहे. मला लहानपणापासूनच ही व्यक्तिरेखा आवडते. शाळेत असताना मी चाणक्यनीती वाचली होती पण तेव्हा असे कधीच वाटले नव्हते की, एक दिवस

मी ही व्यक्तिरेखा साकारीन. डॉ. द्विवेदी यांनी साकारलेली ही व्यक्तिरेखा पाहून मी वेडा झालो होतो आणि त्यावेळेसपासूनच ही भूमिका साकारण्याची प्रेरणा मला मिळाली होती. आता मला ही भूमिका मिळालेली आहे तर मी तिचे सोने करू इच्छितो. मी मोकळ्या वेळेत चाणक्यनीती वाचत राहतो. मी माझ्या फोनवर ईबुक देखील डाऊनलोड केले आहे. मला ही संधी दिल्याबद्दल सिद्धार्थ तिवारी यांचे आभार मानावे तेवढे कमी आहेत.(19-8)

मणिकर्णिका : रोंगटे खड़े कर देगा कंगना का रूप

मुंबई, आखिरकार लंबे इंतजार के बाद फिल्म मणिकर्णिका का टीजर रिलीज हो ही गया, जिसमें झांसी की रानी के रूप में कंगना रनौत का एक निडर और साहसी रूप नजर आ रहा है। फिल्म में झांसी की रानी के रूप में कंगना के क्या तेवर और दांव-पेंच होंगे, यह इस टीजर से साफ जाहिर हो जाता है।

जंग के मैदान में अंग्रेजों को ललकारती कंगना, अपने दत्तक पुत्र को अपने साथ लड़ाई के बीच ले जाती कंगना.. ऐसे न जाने कितने ही रूप इस टीजर में देखने को मिले है। कंगना के अलावा मणिकर्णिका के टीजर की यूएसपी है मेगास्टार अमिताभ बच्चन की दमदार आवाज, जिसने जैसे झांसी की रानी की शौर्य गाथा और उनके पराक्रम की कहानी में जान ही फूंक दी है। इस टीजर को गांधी जयंती के शुभ मौके पर रिलीज किया गया है। बता दें कि इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियों द्वारा किया गया है, जिसमें कंगना रनौत के अलावा अंकिता लोखंडे झलकारी बाई की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज डेट अगले साल २५ जनवरी २०१९ को रखी गई है। इसमें रानी लक्ष्मीबाई के बचपन से लेकर शादी और अंग्रेजो से जंग तक की कहानी दिखाई जाएगी। देश के कई हिस्सों में फिल्म की शूटिंग हुई है, जिसमें बनारस, आमेर, जयपुर आदि शामिल है।

कुछ बॉलिवुड स्टार्स नहीं कर रहे मुझे सपॉर्ट : तनुश्री

मुंबई, तनुश्री दत्ता और नाना पाटेकर का विवाद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। तनुश्री द्वारा नाना पाटेकर पर लगाए गए यौन शोषण के आरोप के बीच जहां कई सिलेब्रेटीज ने तनुश्री का सपॉर्ट किया, वहीं आमिर खान, अमिताभ बच्चन और सलमान खान जैसे सुपरस्टार्स इस मामले पर कुछ भी बोलने से कतराते रहे। तनुश्री इस बात से खुश हैं कि मीडिया का उन्हें काफी सपॉर्ट मिल रहा है, लेकिन इस बात से बेहद दुखी हैं कि फिल्म इंडस्ट्री के लोगों ने उनका सपॉर्ट नहीं किया। इस बारे में तनुश्री ने कहा, सेक्शुअल हैरेसमेंट के बाद भी मैं फिल्में कर सकती थी। मेरे पास ढेर सारे ऑफर्स थे, लेकिन बॉलिवुड का रिस्पॉन्स बेहद दुखदायी है। ये लोग उस हादसे के बाद भी साथ काम कर रहे थे और ऐसे पेश आ रहे थे जैसे कुछ हुआ ही न हो। यह सब देख आप विश्वास खो देते हो। तनुश्री दत्ता अभी भी इस बात को लेकर चिंतित और निराश हैं कि इस नाजुक मामले में भी फिल्म इंडस्ट्री का उन्हें सपॉर्ट नहीं मिल रहा है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से मिलने वाले सपॉर्ट को लेकर हथियार ही टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि बॉलिवुड कई ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जो अगर सामने आ गए तो कई ऐक्टर्स को शर्मसार कर देंगे। बकौल तनुश्री दत्ता, फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर आपका विश्वास खत्म हो जाता है। आज लोग खुलकर सामने आ रहे है, लेकिन फिल्मी दुनिया में दिग्गज लोगों की चुप्पी उनकी बधिरता दिखाती है।

गर्लफ्रेंड के आगे मजबूर हुए टाइगर श्रॉफ : रिपोर्ट

मुंबई, ऐक्टर टाइगर श्रॉफ को फिल्मों में आए चंद साल ही हुए है, लेकिन उन्होंने अपने करियर और फिल्मों को लेकर एक ऐसा फैसला लिया है, जो उनके फैंस को भी चौंका सकता है। दरअसल टाइगर श्रॉफ ने ऑनस्क्रीन किस को लेकर अपने कॉन्ट्रैक्ट में एक क्लॉज जोड़ा है। इस क्लॉज के मुताबिक, अब टाइगर श्रॉफ फिल्मों में किसी भी हिरोइन को किस नहीं करेंगे और न ही कोई इंटिमेट सीन। वैसे यह हैरानी की बात है क्योंकि आजकल लगभग हर फिल्म में ऐसे सीन्स की काफी होते है, लेकिन टाइगर ने इस तरह के सीन्स न करने का क्लॉज अपने कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर श्रॉफ से जुड़े एक सोर्स ने बताया कि टाइगर ने ऐसा अपनी कथित गर्लफ्रेंड दिशा पाटनी की वजह से किया है। दिशा नहीं चाहतीं कि टाइगर अपनी किसी भी को-स्टार के साथ इंटिमेट या किस सीन करें और इसलिए टाइगर ने नो किसिंग क्लॉज अपनाया है। बता दें कि बीच में काफी खबरें आने लगीं थी, जिनमें कहा गया कि दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के बीच दूरियां आ रही हैं। इन दूरियों की वजह स्टूडेंट ऑफ द ईयर में टाइगर की को-स्टार तारा सुतारिया को माना गया। तारा और टाइगर के बीच गहरी दोस्ती दिशा पाटनी के लिए टेंशन की वजह बन गई थी। जिनमें कहा गया दोनों का ब्रेकअप हो गया है, लेकिन यह अफवाह ही साबित हुई।